

सत्र-2023-2024

आदर्श प्रश्न-पत्र

कक्षा-12

विषय- पालि

समय: 3 घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक-100

सामान्य निर्देश- प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

1. निम्नांकित अवतरणों में से किन्हीं तीन का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 21

क) तयिदं, भिक्खवे, अरियं सीलं अनुबुद्धं पटिविद्धं, अरियो समाधि अनुबोधो पटिविद्धो, अरिया पञ्जा अनुबोधा पटिविद्धा, अरिया विमुत्ति अनुबोधा पटिविद्धा, उच्छिन्ना भवतण्हा, खीणा भवनेत्ति, नत्थि दानि पुनब्भवो”ति।

इदमवोच भगवा। इदं वत्वान सुगतो अथापरं एतदवोच सत्था-

“सीलं समाधि पञ्जा च, विमुत्ति च अनुत्तरा।

अनुबुद्धा इमे धम्मा, गोतमेन यसस्सिना ॥”

“इति बुद्धो अभिञ्जाय, धम्ममक्खासि भिक्खुनं।

दुक्खस्सन्तकरो सत्था, चक्खुमा परिनिब्बुतो”ति ॥

ख) अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि- “आयामानन्द, येन कुसिनारा तेनुपसङ्क मिस्साया” ति। “एवं, भन्ते” ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पच्चस्सोसि।

“चुन्दस्स भत्तं भुञ्जित्वा, कम्मरस्साति मे सुतं।

आबाधं सम्फुसी धीरो, पबाळ्हं मारणन्तिकं” ॥

“भुत्तस्स च सूकरमद्वेन, ब्याधिप्पबाळ्हो उदपादि सत्थुनो।

विरेचमानो भगवा अवोच, ‘गच्छामहं कुसिनारं नगरन्’ति” ॥

ग) ननु एतं, आनन्द, मया पटिकच्चेव अक्खातं- ‘सब्बेहेव पियेहि मनापेहि नानाभावो विनाभावो अञ्जथाभावो’; तं कुतेत्थ, आनन्द, लब्भा।

यं तं जातं भूतं सङ्खतं पलोकधम्मं, तं वत तथागतस्सापि सरीरं मा पलुज्जी’ति नेतं ठानं विज्जति।

दोघरत्तं खो ते, आनन्द, तथागतो पच्चुपट्टितो मेत्तेन कायकम्मेन हितेन सुखेन अद्वयेन अप्पमाणेन, मेत्तेन वचीकम्मेन हितेन सुखेन अद्वयेन अप्पमाणेन, मेत्तेन मनोकम्मेन हितेन सुखे

अनुवादित
Prof. J. K. Yadav

न अद्वयेन अप्यमाणेन।

कतपुञ्जोसि त्वं, आनन्द, पधानमनुयुञ्ज, खिप्यं होहिसि अनासवो”ति।

घ) सो देवमनुस्सेसु संसरन्तो इमस्मिं बुद्धुप्पादे मगधरुटे ब्राह्मणकुले निब्बत्तित्वा साटिमत्तियो ति लद्धनामो वयप्यत्तो आरञ्जकभिक्षून् सन्तिके पब्बजित्वा विपस्सनाय कम्मं करोन्तो छळभिञ्जो अहोसि। छळभिञ्जो पन हुत्वा भिक्षू ओवदति अनुसासति बहू च सत्ते धम्मं कथेत्वा सरणेसु च सीलेसु च पतिट्ठपेसि। अञ्जतरञ्च कुलं अस्सद्धं अप्पसन्नं सद्धं पसन्नं अकासि। तेन तस्मिं कुले मनुस्सा थेरे अभिप्पसन्ना अहेसुं। तत्थेका दारिका अभिरूपा दस्सनीया थेरं पिण्डाय पविट्ठं सक्कच्चं भोजनेन परिविसति।

ङ) अथेकदिवसं सो सुमेधपण्डितो उपरिपासादवरतले रहोगतो हुत्वा पल्लङ्कं आभुजित्वा निसिन्नो एवं चिन्तेसि-

“पुनब्भवे, पण्डित, पटिसन्धिग्गहणं नाम दुक्खं, तथा निब्बत्तनिब्बत्तट्ठाने सरीरस्स भेदनं, अहञ्च जातिधम्मो, जराधम्मो, ब्याधिधम्मो, मरणधम्मो, एवंभूतेन मया अजातिं अजरं अब्याधिं अमरणं अदुक्खं सुखं सीतलं अमतमहानिब्बानं परियेसितुं वट्ठति। अवस्सं भवतो मुच्चित्वा निब्बानगामिना एकेन मग्गेन भवितब्बन्”ति।

2. भगवान् बुद्ध ने चार महाप्रदेशों (धर्म एवं विनय सम्बन्धी कसौटियों) की देशना कहाँ दी थी? इन महाप्रदेशों को लिखिए। 9

अथवा

भगवान् बुद्ध की अन्तिम देशना (तथागतपच्छिमा वाचा) पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गाथाओं की व्याख्या कीजिए : 15

क) असाहसेन धम्मेन, समेन नयती परे।

धम्मस्स गुत्तो मेधावी, “धम्मट्ठो”ति पवुच्चति ॥

ख) मातरं पितरं हन्त्वा, राजानो द्वे च सौत्थिये।

वेयग्घपञ्चमं हन्त्वा, अनीघो याति ब्राह्मणो ॥

ग) “अच्छादनञ्च सयनं, अन्नं पानञ्च भोजनं।

अब्बोच्छिन्नं करित्वान, महादानं पवत्तयिं ॥

घ) “एवं वुत्ता च सा देवी, सक्कं पुनिदमब्रवि।

किं नु मे अपराधत्थि, किं नु देस्सा अहं तव।

अनुमोदित
Poojeban Yadav

रम्मा चावेसि मं ठाना, वातोव धरणीरुहं ॥

4. निम्नांकित में से किन्हीं दो पर प्रकाश डालिए : 15
- क) मग्गवग्गो
ख) निरयवग्गो
ग) चन्दकुमारचरिया
घ) ससपण्डितचरिया
5. क) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए : 3
भिक्षु, इत्थी, आयु ।
ख) निम्नलिखित में से किसी एक धातु के वर्तमान काल में रूप लिखिए : 2
रक्ख, सक, कथ ।
ग) निम्नांकित में से किन्हीं दो में सन्धि विच्छेद कीजिए : 3
चत्तारोमे, विग्गहो, त्यज्जु, गन्तुकामो ।
क) बहुव्रीहि समास को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 2
6. निम्नांकित में से किसी एक पर पालि में सात वाक्यों पर निबन्ध लिखिए : 10
भगवा बुद्धो, कुसिनारा ।
7. निम्नांकित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का पालि में अनुवाद कीजिए : 10
- क) मैं सङ्घ की शरण में जाता हूँ।
ख) वह बालक दौड़ता है।
ग) बालिका विद्यालय जाती है।
घ) तुम लोग धर्म को ग्रहण करो।
ङ) वह पर्वत पर चढ़ता है।
च) बालिका मामा के साथ रथ से गाँव जाती है।
छ) व्यापारी सामानों को गाँवों में बेचता है।
ज) शेर पहाड़ पर गुफा में रहता है।
झ) राजा चोर से लोगों की रक्षा करते हैं।
ञ) सूरज की रश्मि समुद्र पर गिरती है।

अनुमोदित
Prof. J. K. Yadav

8. तृतीय सङ्गीति के आयोजन करने के कारणों, उसकी कार्यवाही एवं परिणाम पर प्रकाश डालिए।

10

अथवा

विनयपिटक पर परिचयात्मक निबन्ध लिखिए।

अनुमोदित
Prof. J. K. Yadav